

अथ पसाठ पेश हुई वकील वादी अहम। पसाठ
के लौकिक आवाज लगवायी गयी। परन्तु
वकील वादी उपर न जी ह्वय वादी उपर।
इतक बहुत रहे पर पसाठ अदल अगली
अदम पेशी के खातिर की जाती है पसाठ
केवल शुमार होकर नम्बर के सम ही
कार तामील तम्पनील वारिके ल दफतर ही।

अथ